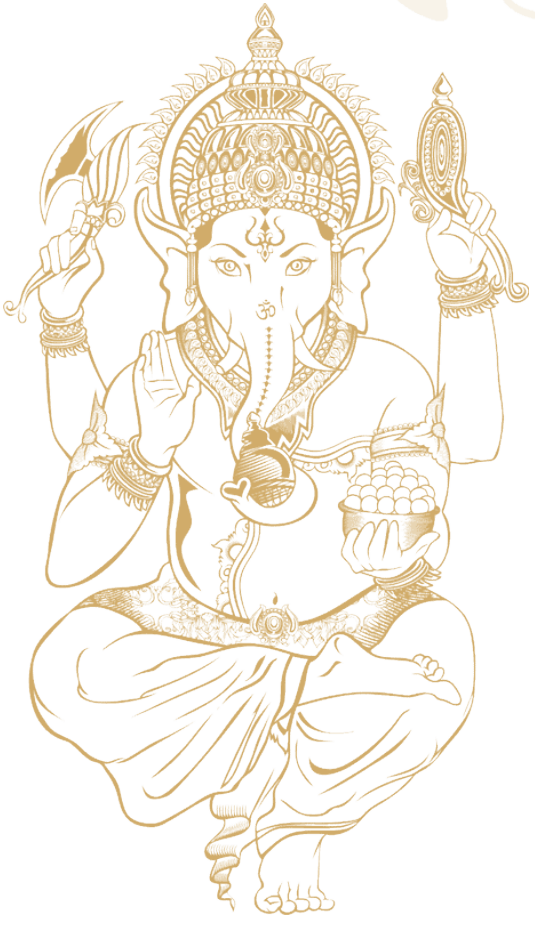

Rammi Sharma

14 Sep 1980

03:20 PM

Delhi

Model: Web-VarshKundli

Order No: 121937701

स्त्रीलिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
14/09/1980	जन्म तिथि	**15/09/2026**
रविवार	दिन	मंगलवार
घंटे 15:20:00	जन्म समय	10:09:39 घंटे
घटी 23:06:01	जन्म समय(घटी)	10:09:05 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
उत्तर 28:39:00	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
पूर्व 77:13:00	रेखांश	77:13:00 पूर्व
पूर्व 82:30:00	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:05:35	सूर्योदय	06:06:01
18:27:17	सूर्यास्त	18:26:15
23:35:03	चित्रपक्षीय अयनांश	24:13:57

मकर	लग्न	तुला
शनि	लग्न लग्नाधिपति	शुक्र
तुला	राशि	तुला
शुक्र	राशि-स्वामी	शुक्र
विशाखा	नक्षत्र	स्वाति
गुरु	नक्षत्र स्वामी	राहु
1	चरण	4
वैधृति	योग	ऐन्द्र
बालव	करण	बव
ती-तीरथ	जन्म नामाक्षर	ता-तनुजा
कन्या	सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या
शूद्र	वर्ण	शूद्र
मानव	वश्य	मानव
व्याघ्र	योनि	महिष
राक्षस	गण	देव
अन्त्य	नाड़ी	अन्त्य
सर्प	वर्ग	सर्प
46	गत/तत्कालिक वर्ष	47

जन्म - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उत्तराषाढ़ा	2	00:28:14	मक			लग्न			तुला	20:22:44	1	विशाखा
उ०फाल्गुनी	1	28:08:34	सिंह			सूर्य			सिंह	28:08:34	1	उ०फाल्गुनी
विशाखा	1	22:36:42	तुला			चंद्र			तुला	17:18:21	4	स्वाति
स्वाति	4	17:06:42	तुला			मंगल			मिथु	28:00:37	3	पुनर्वसु
हस्त	2	13:30:56	कन्या			बुध			कन्या	13:12:48	1	हस्त
उ०फाल्गुनी	1	27:23:17	सिंह		अ	गुरु			कर्क	22:22:13	2	आश्लेषा
पुष्य	4	13:29:38	कर्क			शुक्र			तुला	08:43:30	1	स्वाति
उ०फाल्गुनी	3	05:32:37	कन्या		अ	शनि	व		मीन	18:32:17	1	रेवती
आश्लेषा	3	26:08:38	कर्क	व		राहु	व		कुंभ	05:23:34	4	धनिष्ठा
धनिष्ठा	1	26:08:38	मक	व		केतु	व		सिंह	05:23:34	2	मघा
विशाखा	3	28:48:25	तुला			मु			वृश्चि	00:28:14	4	विशाखा

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:57

लग्न-चलित

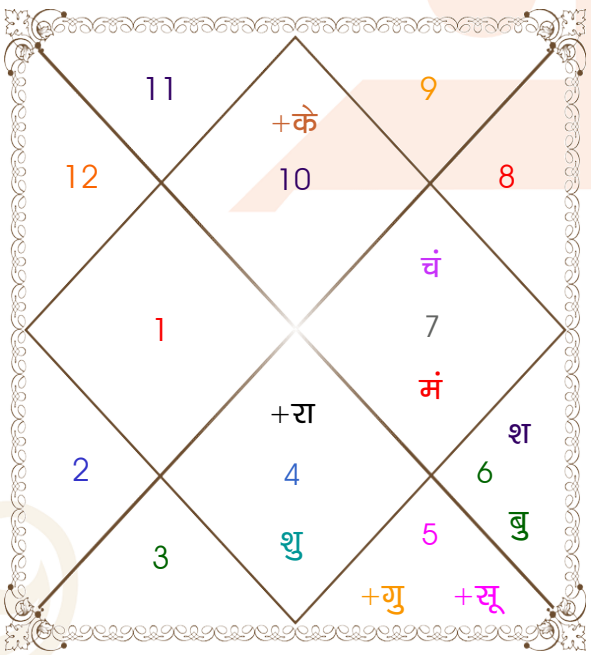

वर्ष लग्न कुंडली

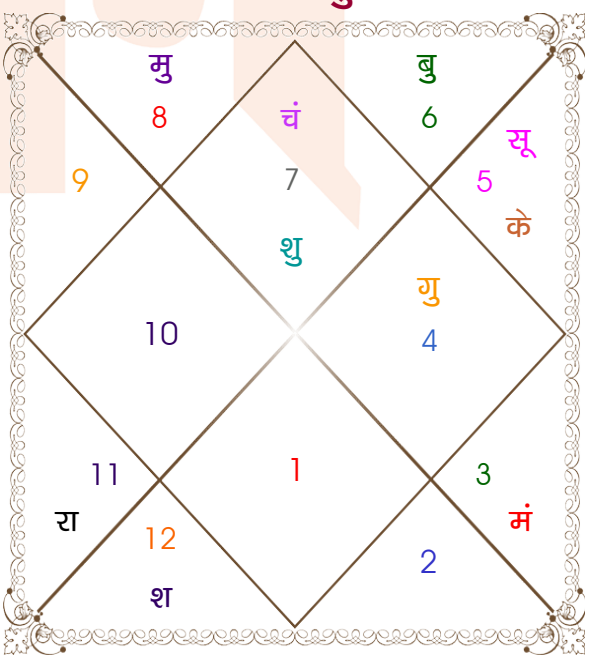

चन्द्र कुंडली

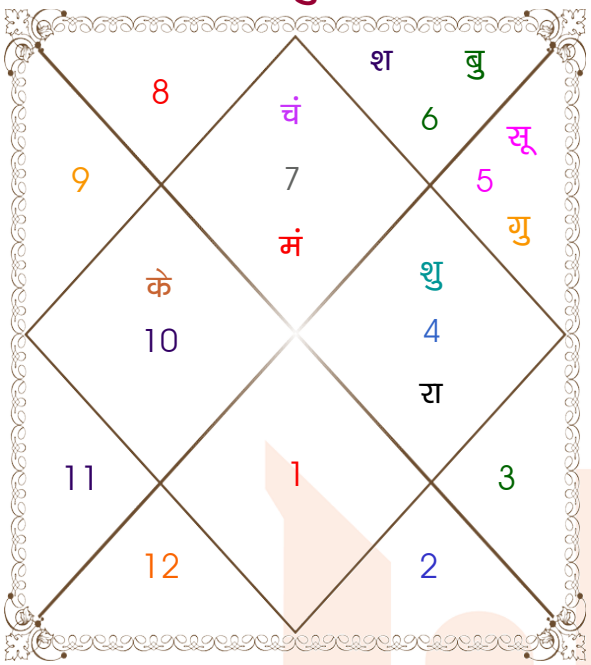

वर्ष चन्द्र कुंडली

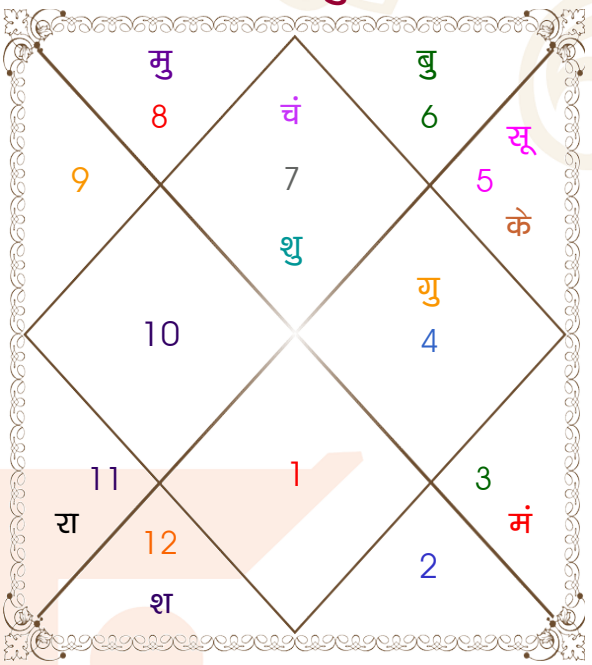

नवमांश कुंडली

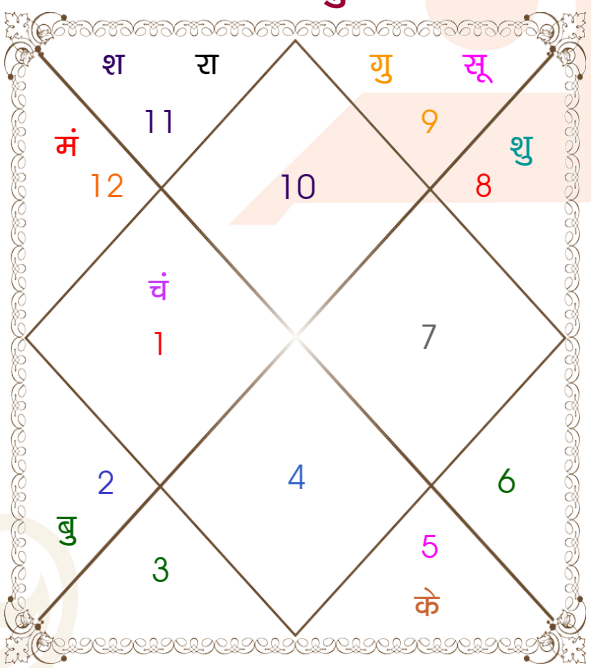

वर्ष नवमांश कुंडली

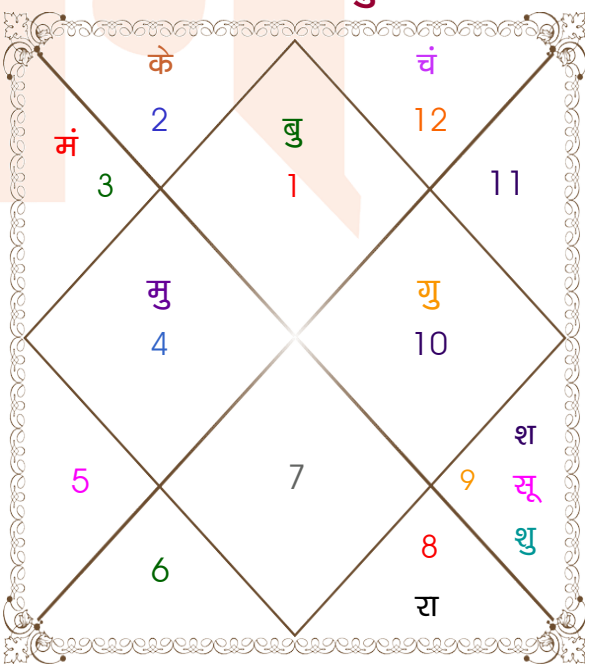

मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	सम	मित्र	सम
चन्द्र	मित्र	---	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	सम
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	सम	मित्र	शत्रु
बुध	सम	सम	शत्रु	---	मित्र	सम	शत्रु
गुरु	सम	शत्रु	सम	मित्र	---	शत्रु	मित्र
शुक्र	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	शत्रु	---	सम
शनि	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	तुला	सिंह	तुला	मिथु	कन्या	कर्क	तुला	मीन
होरा	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	सिंह
द्रेष्काण	धनु	मेष	कुंभ	सिंह	वृष	कर्क	कर्क	मीन
चतुर्थांश	मेष	वृष	मेष	मीन	धनु	मक	मक	कन्या
पंचमांश	मिथु	तुला	धनु	तुला	मीन	मक	कुंभ	मक
षष्ठांश	सिंह	कन्या	कर्क	कन्या	धनु	कुंभ	वृष	मक
सप्तमांश	कुंभ	कुंभ	कुंभ	धनु	मिथु	मिथु	धनु	मक
अष्टमांश	कन्या	मीन	सिंह	धनु	सिंह	कन्या	मिथु	कन्या
नवमांश	मेष	धनु	मीन	मिथु	मेष	मक	धनु	धनु
दशमांश	मेष	वृष	मीन	मीन	कन्या	तुला	धनु	वृष
एकादशांश	मेष	वृष	मीन	मीन	धनु	कुंभ	धनु	सिंह
द्वादशांश	मिथु	कर्क	मेष	वृष	कुंभ	मीन	मक	तुला

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	स्व	शत्रु	शत्रु	स्व	शत्रु	स्व	मित्र
होरा	मित्र	स्व	मित्र	सम	सम	मित्र	सम
द्रेष्काण	मित्र	सम	मित्र	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र
चतुर्थांश	मित्र	मित्र	सम	मित्र	मित्र	सम	शत्रु
पंचमांश	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	सम	स्व
षष्ठांश	सम	स्व	शत्रु	मित्र	मित्र	स्व	स्व
सप्तमांश	सम	सम	सम	स्व	मित्र	शत्रु	स्व
अष्टमांश	सम	मित्र	सम	सम	मित्र	सम	शत्रु
नवमांश	सम	शत्रु	शत्रु	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र
दशमांश	मित्र	शत्रु	सम	स्व	शत्रु	शत्रु	सम
एकादशांश	मित्र	शत्रु	सम	मित्र	मित्र	शत्रु	सम
द्वादशांश	मित्र	मित्र	मित्र	शत्रु	स्व	सम	सम
शुभ	8	5	4	7	8	3	6
सम	4	2	5	3	1	4	4
अशुभ	0	5	3	2	3	5	2
कुल	शुभ	सम	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	0	0
द्वितीय बल	5	0	0	5	5	5	0
तृतीय बल	5	5	0	0	5	5	0
चतुर्थ बल	5	0	5	0	5	0	0
कुल	15	5	5	5	15	10	0
बल	बली	क्षीण	क्षीण	क्षीण	बली	सामान्य	अतिक्षीण

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	30.00	7.50	7.50	30.00	7.50	30.00	22.50
उच्च बल	4.65	1.74	3.33	19.80	18.07	1.30	3.50
हददा बल	11.25	3.75	3.75	11.25	15.00	7.50	3.75
द्रेष्काण	7.50	5.00	7.50	5.00	2.50	2.50	7.50
नवमांश	2.50	1.25	1.25	1.25	3.75	1.25	3.75
कुल	55.90	19.24	23.33	67.30	46.82	42.55	41.00
विंशोपक	13.98	4.81	5.83	16.83	11.70	10.64	10.25
बल	शुभ	क्षीण	सामान्य	बली	शुभ	शुभ	शुभ

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	शनि	10.25	दृष्टि नहीं	
वर्ष लग्नाधिपति	शुक्र	10.64	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	मंगल	5.83	अतिशुभ	सूर्य
दिवापति	सूर्य	13.98	शुभ	
त्रिराशिपति	बुध	16.83	दृष्टि नहीं	

पात्यंश दशा

शुक्र		बुध		चंद्र		शनि		लग्न	
15/09/2026		06/01/2027		05/03/2027		28/04/2027		14/05/2027	
06/01/2027		05/03/2027		28/04/2027		14/05/2027		06/06/2027	
शुक्र	20/10/2026	बुध	15/01/2027	चंद्र	13/03/2027	शनि	28/04/2027	लग्न	15/05/2027
बुध	07/11/2026	चंद्र	24/01/2027	शनि	15/03/2027	लग्न	29/04/2027	गुरु	17/05/2027
चंद्र	24/11/2026	शनि	26/01/2027	लग्न	19/03/2027	गुरु	30/04/2027	मंगल	22/05/2027
शनि	29/11/2026	लग्न	30/01/2027	गुरु	23/03/2027	मंगल	04/05/2027	सूर्य	22/05/2027
लग्न	06/12/2026	गुरु	03/02/2027	मंगल	02/04/2027	सूर्य	04/05/2027	शुक्र	29/05/2027
गुरु	14/12/2026	मंगल	15/02/2027	सूर्य	03/04/2027	शुक्र	09/05/2027	बुध	02/06/2027
मंगल	06/01/2027	सूर्य	15/02/2027	शुक्र	19/04/2027	बुध	11/05/2027	चंद्र	05/06/2027
सूर्य	06/01/2027	शुक्र	05/03/2027	बुध	28/04/2027	चंद्र	14/05/2027	शनि	06/06/2027

गुरु		मंगल		सूर्य		सूर्य		सूर्य	
06/06/2027		02/07/2027		13/09/2027		13/09/2027		13/09/2027	
02/07/2027		13/09/2027		15/09/2027		15/09/2027		15/09/2027	
गुरु	08/06/2027	मंगल	17/07/2027	सूर्य	13/09/2027	सूर्य	13/09/2027	सूर्य	13/09/2027
मंगल	13/06/2027	सूर्य	17/07/2027	शुक्र	14/09/2027	शुक्र	14/09/2027	शुक्र	14/09/2027
सूर्य	14/06/2027	शुक्र	09/08/2027	बुध	14/09/2027	बुध	14/09/2027	बुध	14/09/2027
शुक्र	22/06/2027	बुध	21/08/2027	चंद्र	15/09/2027	चंद्र	15/09/2027	चंद्र	15/09/2027
बुध	26/06/2027	चंद्र	31/08/2027	शनि	15/09/2027	शनि	15/09/2027	शनि	15/09/2027
चंद्र	29/06/2027	शनि	03/09/2027	लग्न	15/09/2027	लग्न	15/09/2027	लग्न	15/09/2027
शनि	01/07/2027	लग्न	08/09/2027	गुरु	15/09/2027	गुरु	15/09/2027	गुरु	15/09/2027
लग्न	02/07/2027	गुरु	13/09/2027	मंगल	15/09/2027	मंगल	15/09/2027	मंगल	15/09/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

शनि		बुध		केतु		शुक्र		सूर्य	
15/09/2026		12/11/2026		02/01/2027		24/01/2027		26/03/2027	
12/11/2026		02/01/2027		24/01/2027		26/03/2027		13/04/2027	
शनि	24/09/2026	बुध	19/11/2026	केतु	04/01/2027	शुक्र	03/02/2027	सूर्य	27/03/2027
बुध	02/10/2026	केतु	22/11/2026	शुक्र	07/01/2027	सूर्य	06/02/2027	चंद्र	28/03/2027
केतु	06/10/2026	शुक्र	01/12/2026	सूर्य	08/01/2027	चंद्र	11/02/2027	मंगल	29/03/2027
शुक्र	15/10/2026	सूर्य	03/12/2026	चंद्र	10/01/2027	मंगल	15/02/2027	राहु	01/04/2027
सूर्य	18/10/2026	चंद्र	08/12/2026	मंगल	11/01/2027	राहु	24/02/2027	गुरु	03/04/2027
चंद्र	23/10/2026	मंगल	11/12/2026	राहु	15/01/2027	गुरु	04/03/2027	शनि	06/04/2027
मंगल	26/10/2026	राहु	18/12/2026	गुरु	17/01/2027	शनि	14/03/2027	बुध	09/04/2027
राहु	04/11/2026	गुरु	25/12/2026	शनि	21/01/2027	बुध	22/03/2027	केतु	10/04/2027
गुरु	12/11/2026	शनि	02/01/2027	बुध	24/01/2027	केतु	26/03/2027	शुक्र	13/04/2027

चंद्र		मंगल		राहु		गुरु		गुरु	
13/04/2027		13/05/2027		04/06/2027		28/07/2027		28/07/2027	
13/05/2027		04/06/2027		28/07/2027		15/09/2027		15/09/2027	
चंद्र	15/04/2027	मंगल	15/05/2027	राहु	12/06/2027	गुरु	04/08/2027	गुरु	04/08/2027
मंगल	17/04/2027	राहु	18/05/2027	गुरु	19/06/2027	शनि	12/08/2027	शनि	12/08/2027
राहु	22/04/2027	गुरु	21/05/2027	शनि	28/06/2027	बुध	19/08/2027	बुध	19/08/2027
गुरु	26/04/2027	शनि	24/05/2027	बुध	06/07/2027	केतु	21/08/2027	केतु	21/08/2027
शनि	01/05/2027	बुध	27/05/2027	केतु	09/07/2027	शुक्र	30/08/2027	शुक्र	30/08/2027
बुध	05/05/2027	केतु	28/05/2027	शुक्र	18/07/2027	सूर्य	01/09/2027	सूर्य	01/09/2027
केतु	07/05/2027	शुक्र	01/06/2027	सूर्य	21/07/2027	चंद्र	05/09/2027	चंद्र	05/09/2027
शुक्र	12/05/2027	सूर्य	02/06/2027	चंद्र	25/07/2027	मंगल	08/09/2027	मंगल	08/09/2027
सूर्य	13/05/2027	चंद्र	04/06/2027	मंगल	28/07/2027	राहु	15/09/2027	राहु	15/09/2027

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

बुध - गुरु - चंद्र	
21/03/2026 09:34	
29/05/2026 09:22	
चंद्र	27/03/2026 03:33
मंगल	31/03/2026 04:08
राहु	10/04/2026 12:30
गुरु	19/04/2026 17:17
शनि	30/04/2026 15:27
बुध	10/05/2026 10:01
केतु	14/05/2026 10:36
शुक्र	25/05/2026 22:34
सूर्य	29/05/2026 09:22

बुध - गुरु - मंगल	
29/05/2026 09:22	
16/07/2026 16:25	
मंगल	01/06/2026 04:58
राहु	08/06/2026 10:50
गुरु	14/06/2026 21:22
शनि	22/06/2026 12:53
बुध	29/06/2026 09:05
केतु	02/07/2026 04:42
शुक्र	10/07/2026 05:53
सूर्य	12/07/2026 15:50
चंद्र	16/07/2026 16:25

बुध - गुरु - राहु	
16/07/2026 16:25	
17/11/2026 20:52	
राहु	04/08/2026 07:29
गुरु	20/08/2026 20:53
शनि	09/09/2026 12:47
बुध	27/09/2026 03:01
केतु	04/10/2026 08:52
शुक्र	25/10/2026 01:37
सूर्य	31/10/2026 06:38
चंद्र	10/11/2026 15:00
मंगल	17/11/2026 20:52

बुध - शनि - शनि	
17/11/2026 20:52	
22/04/2027 12:46	
शनि	12/12/2026 12:23
बुध	03/01/2027 13:38
केतु	12/01/2027 15:33
शुक्र	07/02/2027 14:12
सूर्य	15/02/2027 09:00
चंद्र	28/02/2027 08:20
मंगल	09/03/2027 10:15
राहु	01/04/2027 18:38
गुरु	22/04/2027 12:46

बुध - शनि - बुध	
22/04/2027 12:46	
08/09/2027 19:24	
बुध	12/05/2027 06:18
केतु	20/05/2027 09:17
शुक्र	12/06/2027 14:24
सूर्य	19/06/2027 13:32
चंद्र	01/07/2027 04:05
मंगल	09/07/2027 07:04
राहु	30/07/2027 04:28
गुरु	17/08/2027 18:09
शनि	08/09/2027 19:24

बुध - शनि - केतु	
08/09/2027 19:24	
05/11/2027 03:47	
केतु	12/09/2027 03:42
शुक्र	21/09/2027 17:06
सूर्य	24/09/2027 13:55
चंद्र	29/09/2027 08:37
मंगल	02/10/2027 16:54
राहु	11/10/2027 07:21
गुरु	18/10/2027 22:52
शनि	28/10/2027 00:48
बुध	05/11/2027 03:47

बुध - शनि - शुक्र	
05/11/2027 03:47	
17/04/2028 00:19	
शुक्र	02/12/2027 11:13
सूर्य	10/12/2027 15:50
चंद्र	24/12/2027 07:33
मंगल	02/01/2028 20:57
राहु	27/01/2028 10:49
गुरु	18/02/2028 07:10
शनि	15/03/2028 05:49
बुध	07/04/2028 10:55
केतु	17/04/2028 00:19

बुध - शनि - सूर्य	
17/04/2028 00:19	
05/06/2028 04:04	
सूर्य	19/04/2028 11:18
चंद्र	23/04/2028 13:37
मंगल	26/04/2028 10:26
राहु	03/05/2028 19:24
गुरु	10/05/2028 08:42
शनि	18/05/2028 03:30
बुध	25/05/2028 02:38
केतु	27/05/2028 23:27
शुक्र	05/06/2028 04:04

बुध - शनि - चंद्र	
05/06/2028 04:04	
26/08/2028 02:20	
चंद्र	11/06/2028 23:56
मंगल	16/06/2028 18:38
राहु	29/06/2028 01:34
गुरु	09/07/2028 23:44
शनि	22/07/2028 23:04
बुध	03/08/2028 13:37
केतु	08/08/2028 08:19
शुक्र	22/08/2028 00:01
सूर्य	26/08/2028 02:20

बुध - शनि - मंगल	
26/08/2028 02:20	
22/10/2028 10:43	
मंगल	29/08/2028 10:37
राहु	07/09/2028 01:05
गुरु	14/09/2028 16:36
शनि	23/09/2028 18:32
बुध	01/10/2028 21:31
केतु	05/10/2028 05:48
शुक्र	14/10/2028 19:12
सूर्य	17/10/2028 16:01
चंद्र	22/10/2028 10:43

बुध - शनि - राहु	
22/10/2028 10:43	
18/03/2029 21:59	
राहु	13/11/2028 13:37
गुरु	03/12/2028 05:31
शनि	26/12/2028 13:54
बुध	16/01/2029 11:18
केतु	25/01/2029 01:45
शुक्र	18/02/2029 15:38
सूर्य	26/02/2029 00:36
चंद्र	10/03/2029 07:32
मंगल	18/03/2029 21:59

बुध - शनि - गुरु	
18/03/2029 21:59	
28/07/2029 00:01	
गुरु	05/04/2029 09:28
शनि	26/04/2029 03:35
बुध	14/05/2029 17:16
केतु	22/05/2029 08:47
शुक्र	13/06/2029 05:07
सूर्य	19/06/2029 18:25
चंद्र	30/06/2029 16:35
मंगल	08/07/2029 08:06
राहु	28/07/2029 00:01

अथ वर्षेशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्थेश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकारयों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकाँश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथाः-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम्।।

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे।।

-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य मध्यम रहेगा तथा यदा कदा आपको शारीरिक कष्ट की अनुभूति होगी। साथ ही मानसिक उद्विग्नता तथा चंचलता का भाव भी विद्य मान रहेगा। पारिवारिक सुख शान्ति तथा सन्तुष्टि इस समय मध्यम रहेगी तथा यदा कदा परस्पर कलह एवं विवाद भी उत्पन्न होंगे। साथ ही आपका सम्मान भी मध्यम रहेगा। मित्र एवं संबन्धियों से भी कोई मतभेद या तनाव हो सकता है। संतति पक्ष से इस समय आपको अल्प मात्रा में ही सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा। शत्रुपक्ष भी इस समय आपके लिए अनावश्यक समस्याएं या व्यवधान भी उत्पन्न कर सकता है। आपका दाम्पत्य जीवन इस समय मध्यम रहेगा तथा स्त्री से कोई मतभेद या तनाव का वातावरण रहेगा।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए वर्ष विशेष शुभ नहीं रहेगा व्यापार में इस समय आपके उन्नति तथा सफलता के मार्ग में व्यवधान आएंगे साथ ही लाभ मार्ग भी अवरूद्ध होंगे। नौकरी या राजनीति में आपकी पदोन्नति में भी विलम्ब होगा तथा अनावश्यक व्यवधान भी उत्पन्न होंगे। इस समय आपका विरोधी पक्ष भी प्रबल रहेगा परन्तु आर्थिक स्थिति भी सन्तोष प्रद रहेगी तथा आवश्यक मात्रा में धन एवं लाभ प्राप्त होता रहेगा। साथ ही सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंध विशेष अच्छे नहीं रहेंगे। अतः ऐसे समय में आपको इनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए जिससे कोई समस्या उत्पन्न न हो सके। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए मध्यम रहेगा अतः धैर्य एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए ।

अथ मुंथाफलम्

जन्म के प्रथम वर्ष में लग्न ही मुंथा होती है और प्रतिवर्ष एक एक राशि बढ़ती है। अतः गत वर्ष संख्या में जन्म लग्न जोडे से तथा 12 से भाग देने पर शेषांक मुंथा की वर्तमान राशि होती है। मुंथा प्रतिमाह ढाई अंश तथा प्रतिदिन पाँच कला बढ़ती जाती है। यदि मुंथा शुभ ग्रह व अपने स्वामी से युक्त या दृष्ट हो अथवा शुभ ग्रह या अपने स्वामी के साथ इत्यशाल करे तो शुभ फल की वृद्धि कर अशुभ फल का नाश करती है। यथाः-

शुभस्वामियुक्तेक्षितावीर्ययुक्तेन्थिहास्वामिसौम्येत्थशालं प्रपन्ना।
शुभं भावजं पोषयेन्नाशुभं साऽन्यथाभाव ऊह्यो विभृश्य।।

-*-

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा शान्त रहेंगी। इस समय आप में बल एवं उत्साह के भाव की अधिकता रहेगी तथा अपने समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण सांसारिक कार्यो को आप उत्साह एवं परिश्रम से सम्पन्न करेंगी फलतः इनमें आपको वांछित सफलता प्राप्त होगी। सामाजिक क्षेत्र में भी इस समय आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा दूर दूर तक यश भी व्याप्त होगा। इससे सभी लोग आपसे प्रभावित रहेंगे एवं आपको उचित आदर तथा सम्मान प्रदान करेंगे। मित्रों संबधियों तथा बन्धुवर्ग से भी इस समय आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा एवं उनसे आप लाभ अर्जित करने में भी समर्थ रहेंगी। मिष्ठान्न के प्रति आपकी अधिक रूचि रहेगी तथा समय समय पर रूचि पूर्वक आप इनका भक्षण करेंगी।

इस वर्ष में उच्चाधिकारी वर्ग या राजनैतिक नेताओं से आपको आश्रय मिलेगा तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगी फलतः आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे। आर्थिक दृष्टि से भी यह वर्ष आपके लिए शुभ रहेगा तथा प्रचुर मात्रा में धन एवं लाभ अर्जित करने में आप समर्थ रहेंगी।इस समय आपके आय स्रोतों में भी वृद्धि होगी एवं आर्थिक स्थिति सुदृढ़ रहेगी। इसके अतिरिक्त पति एवं पारिवारिक जनों से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा जिससे पारिवारिक तथा दाम्पत्य सुख में मधुरता रहेगी तथा आपका समय शान्ति एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

मासिक फलादेश

प्रथम मास
15/09/2026 10:09:39 से 15/10/2026 22:54:58 तक

इस मास में आप अपने ही उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगी। साथ ही समाज से आपको पूर्ण यश तथा मानप्रतिष्ठा की प्राप्ति होगी तथा बन्धुवर्ग एवं मित्रों से भी आप पूर्ण सम्मान अर्जित करने में सफल रहेंगी। इस समय उच्चाधिकार प्राप्तवर्ग से आश्रय प्राप्त करेंगी एवं मिष्ठानोपभोग करने में भी रूचिशील रहेंगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा एवं बल की इसमें वृद्धि होती रहेगी। इस समय शत्रु भी आपसे पराजित होंगे एवं भय की भी वे अनुभूति करेंगे। साथ ही व्यापार आदि कार्यों में भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगी। इस प्रकार आप सम्पूर्ण मास सुख एवं प्रसन्नतापूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगी।

इसके साथ ही इस मास में आप पति से सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी। आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा पूर्णरूपेण धनलाभ अर्जित करके धर्म का अनुपालन करेंगी तथा समाज में कीर्ति तथा सम्मान भी प्राप्त होगा।

द्वितीय मास
15/10/2026 22:54:58 से 14/11/2026 23:28:01 तक

इस मास में आप शुभाशुभ फलों को प्राप्त करेंगी। आपके शरीर में इस समय रूग्णता के कारण निर्बलता रहेगी तथा शत्रु भी प्रबल होंगे एवं आपके लिए अनावश्यक रूप से भय तथा चिन्ता उत्पन्न करेंगे। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त रहेंगी। आपके घर में इस समय चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। यदि आप कहीं कार्य कर रही हों तो आपको अपने उच्चाधिकारियों की उपेक्षा नहीं करनी चाहिए अन्यथा आप दंडित हो सकती हैं। आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे साथ ही धन का भी आप अनावश्यक रूप से व्यय करेंगी। इस मास आप किसी कठोर कार्य को करने के लिए भी प्रेरित हो सकती हैं। जिससे बाद में आपको पछताना पड़ेगा अतः कोई भी कार्य आपको सोच समझ कर सम्पन्न करना चाहिए। आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से सम्बन्धों में तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज में आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त आपकी आशाएं भी अल्प मात्रा में ही सफल होंगी।

साथ ही इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फलों को भी प्राप्त करेंगी। इससे आप पति या पुरूष वर्ग से लाभ एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा स्वबुद्धि चातुर्य से अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा का प्रदर्शन करेंगी एवं किसी धार्मिक उत्सव को सम्पन्न करेंगी। इस प्रकार यह मास आप मध्यम रूप से ही व्यतीत करेंगी।

तृतीय मास
14/11/2026 23:28:01 से 14/12/2026 14:35:49 तक

इस मास में आप विशेष शुभ फल तथा प्रसन्नता प्राप्त करेंगी। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता बढ़ेगी तथा इसी बुद्धि बल से आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगी एवं पुत्र सुख भी आपको प्राप्त होगा। साथ ही आपकी प्रभुता में वृद्धि होगी तथा सभी पारिवारिक एवं समाजिक लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे। आप इस समय शुभ कार्य सम्पन्न करेंगी तथा शुभ समाचार भी आपको प्राप्त होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा यत्नपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इसके साथ ही इस मास में आप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से उचित लाभ अर्जित करेंगी एवं समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस प्रकार मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगी एवं अपनी बुद्धिमता से कई महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगी। धर्म के अनुपालन में आपकी श्रद्धा रहेगी तथा इस समय किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन करने में भी सफल हो सकेंगी। इस प्रकार यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक रहेगा।

चतुर्थ मास
14/12/2026 14:35:49 से 13/01/2027 01:25:17 तक

इस मास में आप समान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगी। इस समय आप शत्रुओं से अत्यंत ही भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं मानसिक रूप से कष्टानुभूति भी प्राप्त करेंगी। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी आदि भी हो सकती है। साथ ही इस समय आपका धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे सामान्य आर्थिक संकट भी रहेगा। धर्म के प्रति भी आपकी इस मास में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा शारीरिक अस्वस्थता के कारण आप दुर्बलता की भी अनुभूति करेंगी। इस मास में घर से दूर किसी स्थान की यात्रा भी कर सकती हैं। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में विध्न बाधाएं अधिक मात्रा में आएंगी फलतः परिश्रम करने पर भी कार्यों में अल्प सिद्धि ही प्राप्त हो सकेगी। इसके अतिरिक्त मुकद्दमे आदि में भी आपका धन व्यय हो सकता है। अतः सोच समझकर ही समय व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से अस्वस्थ रहेंगी तथा जाने अनजाने किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगी जिसके कारण बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा इससे आपकी समाजिक रूप से अवमानना भी हो सकती है। इसके साथ ही अग्नि के द्वारा भी आपकी धन सम्बन्धी हानि हो सकती है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करना चाहिए।

पंचम् मास
13/01/2027 01:25:17 से 11/02/2027 14:05:08 तक

इस मास में आप शान्ति एवं सुख पूर्वक अपना समय व्यतीत करेंगी। अतः आप उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करेंगी एवं अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सफल रहेंगी।साथ ही समाज में आपकी मान एवं प्रतिष्ठा में भी पूर्ण वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्र वर्ग से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी तथा इनसे आपके संबध भी मधुर रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको आश्रय मिलेगा तथा उनसे पूर्ण सहयोग एवं लाभार्जन करेंगी। इस मास में आप मिष्ठान का उपभोग भी अधिक मात्रा में करेंगी। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा एवं शारीरिक बल में भी वृद्धि होगी। साथ ही आपका शत्रु वर्ग भी इस समय आपसे पराजित एवं भयभीत रहेगा। इसके अतिरिक्त व्यापारादि कार्यों में भी आपको प्रचुर मात्रा में लाभर्जन होता रहेगा।

साथ ही इस मास में आप पति से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगी एवं पुरूष वर्ग से आप उचित सहयोग एवं लाभ अर्जित करेंगी। आपकी बुद्धि में इस समय निर्मलता का भाव विद्यमान रहेगा एवं धर्म के प्रति भी आप श्रद्धा की भावना रखेंगी तथा समाज में भी आपका यश व्याप्त रहेगा।

षष्ठ मास
11/02/2027 14:05:08 से 13/03/2027 10:18:46 तक

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगी। अतः आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी इस समय आपके शत्रु भी प्रबल होंगे तथा आपके लिए अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न करेंगे जिससे आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है अतः सतर्क रहना श्रेयकर रहेगा। साथ ही नौकरी या व्यापार में भी उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का पालन करने में तत्पर रहें अन्यथा आप किसी प्रकार से दण्डित भी हो सकती है। इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी आप शिथिल रहेंगी। इसके साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपकी प्रतिष्ठा में अल्पता आएगी।साथ ही मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके संबध अच्छे नहीं रहेंगे एवं आपकी आशाएं भी इस मास में कम ही पूर्ण होगी। अतः संयमपूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

साथ ही इस मास में आप वातजनित रोगों से शारीरिक कष्ट प्राप्त करेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को भी करने के लिए तत्पर होंगी जिसके लिए आपको बाद में पछताना पड़ेगा। इस समय अग्नि के द्वारा भी आपकी धन हानि हो सकती है अतः बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करें।

सप्तम् मास
13/03/2027 10:18:46 से 12/04/2027 18:00:18 तक

इस मास में आप अशुभ फलों को ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगी तथा कई प्रकार से परेशानियां भी होगी। इस समय आप पति तथा अन्य बन्धुजनों से कष्ट प्राप्त करेंगी साथ ही आपके शत्रु भी बलवान रहेंगे जिससे उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी। इस मास में आपके उत्साह के भाव में अल्पता आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः शारीरिक रूप से भी आप काफी अस्वस्थ रहेंगी तथा शरीर निर्बलता से युक्त रहेगा। इस समय आपके मन में लोभ के भाव की भी अधिकता रहेगी। मित्रों तथा बन्धुवर्गो से संबधों में तनाव उत्पन्न होगा तथा सभी मित्र शत्रु की तरह आपसे व्यवहार करेंगे जिससे आप मानसिक रूप से भी अशान्त एवं उद्विग्न रहेंगी। समाज में भी अन्य जनों से वाद विवाद या संघर्ष की स्थिति रहेगी जिससे समाजिक सम्मान में अल्पता आएगी। अतः सावधानी तथा बुद्धिमतापूर्वक इस समय को व्यतीत करें।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पितोत्पनन रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगी तथा रूधिर विकार की भी संभावना रहेगी। इस समय आप अग्नि द्वारा भी किसी प्रकार क्षति प्राप्त करेंगी। अतः यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ सिद्ध होगा।

अष्टम् मास
12/04/2027 18:00:18 से 13/05/2027 14:07:49 तक

इस मास में आप शुभ फलों के साथ साथ अशुभ फलों को भी प्राप्त करेंगी। इस समय आप स्व पराक्रम से धनार्जन करने में सफल रहेंगी तथा विभिन्न प्रकार से सुख का उपभोग भी करेंगी। सामाजिक जनौं के मध्य इस समय आपके यश तथा प्रतिष्ठा में पूर्ण वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपको यथोचित सम्मान प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करती रहेंगी। इसके साथ ही आप सामाजिक लोगों के परोपकार संबधी कार्यों को भी इस मास में सम्पन्न करेंगी। आपका स्वास्थ्य इस समय सामान्य रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा अपने महत्वपूर्ण कार्यो को सिद्ध करने में सफल रहेंगी। आपके मित्रों तथा बन्धुओं से इस समय मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करती रहेंगी। इसके अतिरिक्त आपके संकल्प भी इस मास में पूर्ण होंगे। अतः मानसिक रूप से आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगी।

साथ ही इस मास में शुभ फलों के साथ साथ आप अशुभ फल भी प्राप्त करेंगी। अतः आप वात जनित या ठंड से उत्पन्न रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी इसके अतिरिक्त आग द्वारा भी आपको किसी प्रकार की क्षति हो सकती है। अतः सोच समझकर सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास
13/05/2027 14:07:49 से 13/06/2027 20:15:36 तक

इस मास में आप सामान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगी तथा शुभ फल अत्यल्प मात्रा में होंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा नाना प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस मास में शत्रुपक्ष से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी तथा वे आपके लिए अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न करेंगे। इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी। इस समय आपके व्यापार या आजीविका संबधी कार्य में मन्दी आएगी या कोई कार्य छूट सकता है या बन्द हो सकता है। इसके साथ ही कार्य क्षेत्र में आप परिवर्तन भी कर सकती हैं। सामाजिक लोगों से आपके संबध विशेष मधुर नहीं रहेंगे एवं परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा तथा यदा कदा वाद विवाद भी होगा जिससे आपके समाजिक सम्मान में न्यूनता होगी। इसके अतिरिक्त धन हानि के योग भी बनते है तथा शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी एवं बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यो को सम्पन्न करना चाहिए।

साथ ही इस मास में आप अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फलों को भी अर्जित करेंगी। इससे आप पति एवं पुत्र से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगी तथा इस मास में नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी अर्जित कर सकती हैं।

दशम् मास
13/06/2027 20:15:36 से 15/07/2027 07:04:00 तक

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगी। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर रहेंगी। साथ ही आप दुष्ट जनों की संगति प्राप्त करेंगी जिससे आपको कष्ट होंगे। आपका स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा। अतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी तथा मन से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगी। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम करने पर भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आप उपेक्षा का भाव रखेंगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना बनी रहेगी। इस समय बन्धु एवं मित्रों से आपके तनाव पूर्ण संबध रहेंगे। साथ ही जिस कार्य को इस मास में प्रारम्भ करेंगी उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। इस प्रकार यह समय आपके लिए सामान्यतया कष्टदायक ही रहेगा।

साथ ही इस मास में यदाकदा शुभ फलों की भी आपको प्राप्ति होगी। अतः आप पति एवं पुत्र से सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा इनसे आपको वांछित सहयोग भी प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त इस मास में आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं को भी प्राप्त करने में सफल हो सकती हैं।

एकादश मास
15/07/2027 07:04:00 से 15/08/2027 15:49:24 तक

इस महीने में आप शुभ फलों को प्राप्त करने में सफल रहेंगी। इस समय आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग भी प्राप्त करेंगी। साथ ही द्रव्य पदार्थो को अर्जित करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज के सभी वर्गो में आपका प्रभुत्व बढेगा एवं लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। साथ ही आपके शुभ कार्य भी इस मास में पूर्ण होंगे तथा कहीं से आपको शुभ समाचार भी प्राप्त होगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आप श्रद्धालु रहेंगी एवं निष्ठा पूर्वक उनकी पूजा तथा सेवा करेंगी। इसके अतिरिक्त उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगी तथा समाज में आपकी पूर्ण प्रतिष्ठा रहेगी एवं आपकी मनोकामनाएं भी पूर्ण होगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

साथ ही इस मास में आप पति से भी पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगी एवं अपनी तीव्र बुद्धि से प्रचुर मात्रा में धन तथा सुखों को प्राप्त करेंगी। इसके अतिरिक्त धार्मिक कार्यो में भी आप रूचि शील रहेंगी तथा अपने सत्कार्यो से समाज में सर्वत्र प्रतिष्ठा एवं सम्मान अर्जित करने में सफल रहेंगी।

द्वादश मास
15/08/2027 15:49:24 से 15/09/2027 16:25:39 तक

इस मास में आप समान्यतया अशुभ फल ही प्राप्त करेंगी इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों की संगति भी प्राप्त होगी जिससे आप मानसिक रूप से अशांत तथा असन्तुष्ट रहेंगी। साथ ही धनाभाव से भी आप दुःखी रहेंगी। इस मास में आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगी। इस समय आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में कठिन परिश्रम के उपरान्त भी असफलता ही प्राप्त होगी। धर्म के प्रति भी आपकी विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राहमणों के प्रति उपेक्षा का ही भाव रखेंगी। आपके मित्रों तथा सम्बन्धियों से अच्छे सम्बन्ध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव रहेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें आपको सफलता की अपेक्षा असफलता ही अधिक मिलेगी। इसके अतिरिक्त शत्रु वर्ग से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगी एवं आपकी इच्छाएं इस समय पूर्ण नहीं होंगी।

साथ ही इस मास में आप वातोत्पन्न रोगों से दुःखी रहेंगी तथा किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगी जिससे आपको बाद में पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके साथ ही आग के द्वारा भी हानि की सम्भावना रहेगी। अतः सोच समझ कर सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।